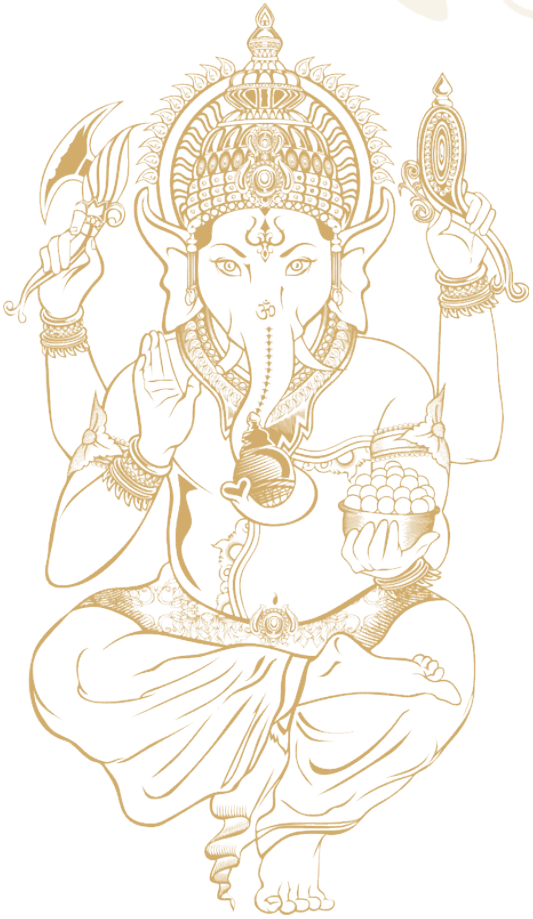

Bhawna

02 Jun 1999

09:00 AM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121181904

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**02/06/1999**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**09:00:00 घंटे**
इष्ट	09:00:12 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:39:12 घंटे
वेलान्तर	00:02:08 घंटे
साम्पातिक काल	01:19:52 घंटे
सूर्योदय	05:23:55 घंटे
सूर्यास्त	19:13:41 घंटे
दिनमान	13:49:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	17:20:18 वृष
लग्न के अंश	05:29:46 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुभ
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	धा-धारिणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	05:29:46	307:40:03	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	---
सूर्य			वृष	17:20:18	00:57:29	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	18:52:20	12:03:51	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल	व		तुला	00:37:55	00:01:40	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध		अ	वृष	26:16:47	02:06:21	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मेष	01:22:41	00:12:07	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	02:23:00	01:01:03	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
शनि			मेष	17:20:12	00:07:00	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	नीच राशि
राहु	व		कर्क	20:57:30	00:05:37	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	20:57:30	00:05:37	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	22:53:50	00:00:32	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप	व		मक	10:20:35	00:00:48	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	15:13:40	00:01:38	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मीन	27:45:18	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:43

लग्न-चलित

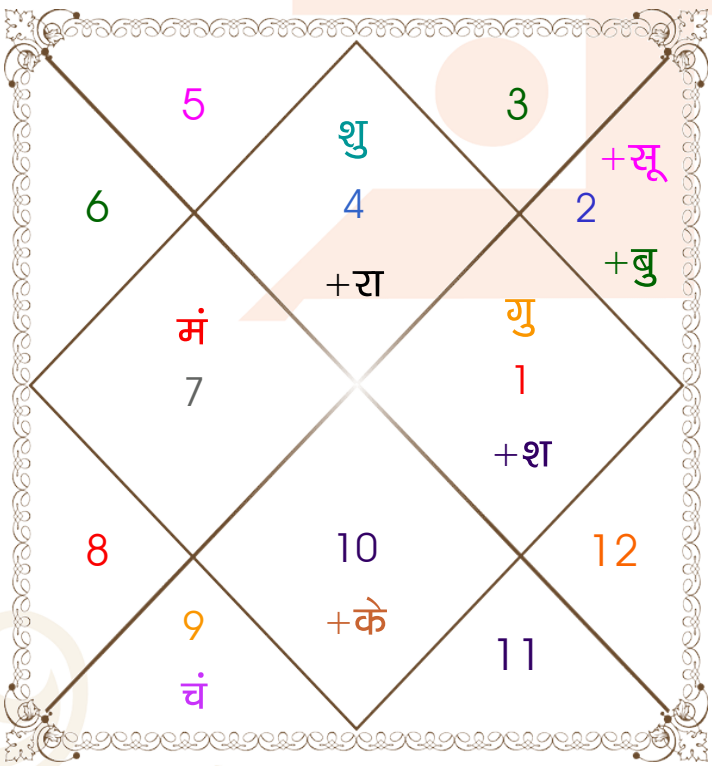

चन्द्र कुंडली

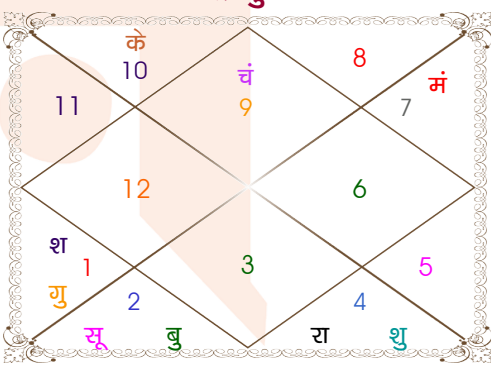

नवमांश कुंडली

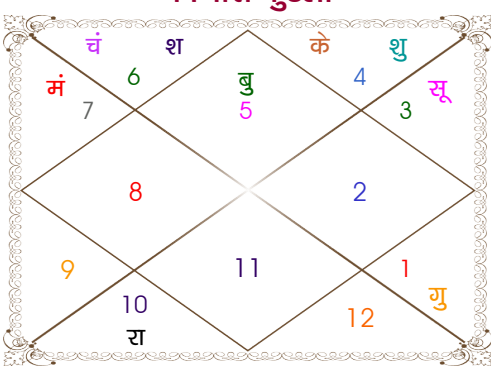

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 8 मास 9 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
02/06/1999		09/02/2011		09/02/2017		09/02/2027		09/02/2034	
09/02/2011		09/02/2017		09/02/2027		09/02/2034		10/02/2052	
	00/00/0000	सूर्य	30/05/2011	चंद्र	10/12/2017	मंगल	08/07/2027	राहु	22/10/2036
	00/00/0000	चंद्र	28/11/2011	मंगल	11/07/2018	राहु	26/07/2028	गुरु	18/03/2039
	00/00/0000	मंगल	04/04/2012	राहु	10/01/2020	गुरु	02/07/2029	शनि	22/01/2042
	02/06/1999	राहु	27/02/2013	गुरु	11/05/2021	शनि	11/08/2030	बुध	10/08/2044
राहु	11/04/2001	गुरु	16/12/2013	शनि	10/12/2022	बुध	08/08/2031	केतु	29/08/2045
गुरु	11/12/2003	शनि	28/11/2014	बुध	11/05/2024	केतु	04/01/2032	शुक्र	28/08/2048
शनि	09/02/2007	बुध	05/10/2015	केतु	10/12/2024	शुक्र	05/03/2033	सूर्य	23/07/2049
बुध	10/12/2009	केतु	10/02/2016	शुक्र	11/08/2026	सूर्य	11/07/2033	चंद्र	22/01/2051
केतु	09/02/2011	शुक्र	09/02/2017	सूर्य	09/02/2027	चंद्र	09/02/2034	मंगल	10/02/2052

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
10/02/2052		10/02/2068		09/02/2087		11/02/2104		10/02/2111	
10/02/2068		09/02/2087		11/02/2104		10/02/2111		00/00/0000	
गुरु	30/03/2054	शनि	12/02/2071	बुध	08/07/2089	केतु	09/07/2104	शुक्र	12/06/2114
शनि	10/10/2056	बुध	22/10/2073	केतु	05/07/2090	शुक्र	08/09/2105	सूर्य	12/06/2115
बुध	16/01/2059	केतु	01/12/2074	शुक्र	05/05/2093	सूर्य	14/01/2106	चंद्र	10/02/2117
केतु	23/12/2059	शुक्र	31/01/2078	सूर्य	11/03/2094	चंद्र	15/08/2106	मंगल	12/04/2118
शुक्र	23/08/2062	सूर्य	13/01/2079	चंद्र	11/08/2095	मंगल	11/01/2107	राहु	03/06/2119
सूर्य	11/06/2063	चंद्र	13/08/2080	मंगल	07/08/2096	राहु	29/01/2108		00/00/0000
चंद्र	10/10/2064	मंगल	22/09/2081	राहु	24/02/2099	गुरु	04/01/2109		00/00/0000
मंगल	16/09/2065	राहु	29/07/2084	गुरु	02/06/2101	शनि	13/02/2110		00/00/0000
राहु	10/02/2068	गुरु	09/02/2087	शनि	11/02/2104	बुध	10/02/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 7 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगी। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझी जाएंगी। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगी। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करती हैं। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगी। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करेंगी तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगी। आपको धर्मस्थलों तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगी। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगी।

आप शारीरिक रूप से लम्बी, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगी। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकती हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देती हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाती हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेती हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेती हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपने पति से सम्बंधित रहेंगी। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगी।

आप अपना विवाह सुयोग्य पति के साथ करने की प्राथमिकता देंगी ताकि अच्छी सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो।

आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना,

सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी।

आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाला मोतिया एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।